नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

अध्यापन शिल्प तो अध्यापक शिल्पकार है –कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र

वर्धा, 2 अगस्त 2016: अध्यापन एक शिल्प है और अध्यापक शिल्पकार है। इस शिल्प से

जुड़ना अपनी उत्सुकता और सीखने की इच्छा का विस्तार करना है। उक्त विचार महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने व्यक्त किये। विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ की ओर से आयोजित सत्रारंभ कार्यक्रम में कार्यक्रम की अध्यक्षता करने हुए प्रो. मिश्र बोल रहे थे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा एवं शिक्षा विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. अरबिंद कुमार झा मंचासीन थे।

सभी विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कुलपति प्रो. मिश्र ने उन्हें संबोधित करते हुए कहा

कि विद्यार्थी अपनी व्यक्तित्व की शक्ति को अपने आत्म-विश्वास का माध्यम बनाए। उन्होंने

आश्वस्त किया कि विश्वविद्यालय परिसर विद्यार्थियों की प्रत्येक पहल का स्वागत करेगा। प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा ने कहा कि अध्यताओं को जिज्ञासु होना चाहिए क्योंकि जिज्ञासु ही आगे चलकर जिज्ञासा से युक्त विद्यार्थी तैयार कर सकते हैं। कार्यक्रम का स्वागत

वक्तव्य प्रो. अरबिंद कुमार झा ने दिया। उन्होंने अपील की कि विद्यार्थी खुद को अभिप्रेरित

शिक्षण बनने के लिए तैयार करे। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्रोफेसर ऋषभ मिश्र ने किया। इस अवसर पर शिक्षा विद्यापीठ, मनोविज्ञान विभाग एवं प्रबंधन विद्यापीठ के समस्त संकाय सदस्य उपस्थित थे।